

**पाक्ष वि.** (तत्.) 1. पक्ष या पाख संबंधी, पाक्षिक  
2. काल या पक्ष विशेष से संबंध रखने वाला।

**पाक्षपातिक वि.** (तत्.) पक्षपाती, पक्षपात करने वाला।

**पाक्षायण वि.** (तत्.) 1. जो पक्ष में एक बार हो अथवा किया जाए 2. जो पक्ष से संबंधित हो।

**पाक्षिक वि.** (तत्.) 1. पक्ष या पखबाड़े से संबंधित।  
**जैसे-** पाक्षिक पत्रिका या पत्र या बैठक 2. जो पक्ष या प्रतिपक्ष में एक बार हो या किया जाए 3. किसी विशेष व्यक्ति का पक्ष करने वाला, तरफदार, पक्षवाहक 4. पक्षियों से संबंधित, पक्षि-संबंधी **पुं.** (तत्.) पक्षियों को मारने वाला व्यक्ति, बहेलिया, व्याध।

**पाखंड पुं.** (तत्.) 1. वेद-विरुद्ध आचरण 2. दिखावटी भक्ति या उपासना, पूजापाठ का आडंबर, ढोंग, ढकोसला 3. किसी को धोखा देने को किया गया काम, छल, वंचना **मुहा.** पाखंड फैलाना- किसी को ठगने के लिए स्वांग करना या बनाना; दूसरों को धोखा देने के लिए अनेक प्रकार के आयोजन करना; ढकोसलेबाजी करना।

**पाखंडी वि.** (तत्.) 1. वेद-विरुद्ध आचरण करने वाला, वेदाचार का खंडन या निंदा करने वाला 2. बनावटी धार्मिकता दिखाने वाला, कपटाचारी, बगुलाभगत 3. दूसरों को ठगने के लिए अनेक प्रकार के आयोजन करने वाला, ढग, धूर्त, धोखेवाज।

**पाख पुं.** (तद्.) 1. पखवाड़ा, पंद्रह दिन 2. चंद्रमास का पूर्णमासी और अमावस्या के आधार पर किया गया आधा भाग, शुक्ल पक्ष, कृष्ण पक्ष (उजाला पाख, अँधेरा पाख)।

**पाखर स्त्री.** (तद्.) लोहे की झूल जो युद्ध करते समय रक्षा के लिए हाथी या घोड़े को पहनाई जाती है।

**पाखरि/पाखरिया पुं.** (देश.) दे. पाखर।

**पाखरी स्त्री.** (देश.) अनाज लादने के लिए गाड़ी पर पहले ही बिछाया जाने वाला बिस्तरा या टाट।

**पाखाक स्त्री.** (फा.) पैर, खाक धूल, चरणरज, पैर की धूलि।

**पाखान पुं.** (तद्.) पत्थर, पाषाण।

**पाखाना पुं.** (फा.) 1. वह स्थान जहाँ मलत्याग किया जाए 2. भोजन के पाचन के बाद अधोमार्ग से निकलने वाला मल, 'गू', पुरीष **मुहा.-** पाखाने जाना- मलत्याग के लिए जाना; पाखाना निकलना- भय से बुरा हाल होना; पाखाना फिरना- मलत्याग करना; पाखाना लगना- मलत्याग की हाजत जान पड़ना, मल का वेग जान पड़ना।

**पाग स्त्री.** (देश.) 'पगड़ी' सिर पर बाँधने वाला वस्त्र **पुं.** (तद्.) चाशनी में पागी गई वस्तु **जैसे-** जलेबी, इमरती, पेठा 3. वैद्यों द्वारा पागी गई औषधि **जैसे-** 'बादामपाग' आदि।

**पागना स.क्रि.** (तद्.) शीरे या चाशनी में डुबाना **अ.क्रि.** किसी विषय में अत्यंत अनुरक्त होना, डूबना, मग्न या तन्मय होना।

**पागर पुं.** (देश.) 1. वह रास्ता जिससे मल्लाह नाव को खींचकर नदी के किनारे बाँधते हैं 2. घोड़े की काठी का पायदान, लोहे का वह बड़ा छल्ला जिस पर पैर रखकर घोड़े की पीठ पर बैठते हैं, पागड़।

**पागल वि.** (देश.) 1. जिसका दिमाग ठीक न हो 2. विक्षिप्त 3. सनकी 4. बावला 5. जो प्रेम या क्रोध में आपे से बाहर हो गया हो, सोचने-समझने की शक्ति खो बैठा हो, जिसका होश-हवास दुरुस्त न हो 6. मूर्ख, नासमझ, बेवकूफ।

**पागल खाना पुं.** (देश.+फा.) वह स्थान जहाँ पागलों को रखकर उनका उपचार और देखभाल की जाती है, पागलों के रहने का स्थान, पागलों का अस्पताल, मानसिक चिकित्सालय।

**पागलपन पुं.** (देश.) 1. पागल होने का भाव या रोग, उन्माद, बावलापान, विक्षिप्तता 2. मानसिक रोग जिससे मनुष्य की इच्छाशक्ति तथा बुद्धि आदि में विकार आ जाता है 3. मूर्खता, बेवकूफी।

**पागुर पुं.** (देश.) दे. जुगाली।